राज्य सरकार ने वर्ष 2012-13 में नितिगत निर्णय लेते हुए बिहार के सभी थानों में एक छोटी वाटर मिस्ट टेक्नोलॉजी अग्निशामक वाहन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। यह कार्य चरणबद्ध तरीकों से किया जा रहा है । इस क्रम में अब तक 155 थानों में वाटर मिस्ट टेक्नोलॉजी वाहन उपलब्ध करा दिया गया है, जो निम्न प्रकार से है:-

क्र.सं.	जिला का नाम	क्र. सं.	थाना का नाम
1.	मधुबनी	1.	माधेपुर
		2.	खुटौना
		3.	बेनीपट्टी
		4.	राजनगर
		5.	लौकहा
2.	औरंगाबाद	6.	नवी नगर
		7.	बारूण
		8.	रफीगंज
		9.	देव
		10.	एन0टी0पी0सी0 खैरा
3.	गया	11.	वजीरगंज
		12.	मानपुर प्रखण्ड (मुफस्सिल थाना)
		13.	बेलागंज
		14.	बाराचट्टी
		15.	इमामगंज
		16.	गुरारू
4.	लखीसराय	17.	सूर्यगढा
		18.	बडहियॉ
		19.	हलसी
		20.	रामगढ़

क्र.सं.	जिला का नाम	क्र.सं.	थाना का नाम
5.	पूर्णियाँ	21.	रूपौली
		22.	कसबॉ
		23.	जलालगढ़
		24.	रौटा
		25.	जानकी नगर
6.	सुपौल	26.	छातापुर
		27.	बलुआ बाजार
		28.	पीपरा
7.	वैशाली	29.	राघोपुर
		30.	जनदाहा
		31.	पातेपुर
		32.	जुडावनपुर
		33.	रूक्षतमपुर
		34.	वैशाली
		35.	लालगंज
8.	मोतिहारी	36.	केसरियॉ
		37.	कल्याणपुर
		38.	हरसिद्धि
		39.	सुगौली
		40.	संग्रामपुर
9.	भागलपुर	41.	सुलतानगंज
		42.	पिरपैंती
		43.	अमडंडा
		44.	सबौर
10.	पटना	45.	मोकामा
		46.	पीपरा
		47.	गौरीचक
		48.	सचिवालय
		49.	कोतवाली
		50.	अकिलपुर
		51.	फतुहा
		52.	पंडारक

क्र.सं.	जिला का नाम	क्र.सं.	थाना का नाम
11.	नालंदा	53.	इस्लामपुर
		54.	सारमेरा
		55.	हरनौत
		56.	एकंगरसराय
		57.	राजगीर
		58.	चण्डी
12.	दरभंगा	59.	किरथपुर
		60.	बहेरी
		61.	गौरा बैराम
		62.	हायाघाट
		63.	लहेरिया सराय
13.	मुजफ्फरपुर	64.	कॉटी
		65.	साहेबगंज
		66.	गायघाट
		67.	सिवाई पट्टी
		68.	औराई
		69.	कटरा
14.	कैमूर	70.	कुदरा
		71.	अधौरा
		72.	बेलॉव
		73.	चेनारी
		74.	दुर्गावती
15.	सासाराम	75.	नौहट्टा
		76.	काराकाट
		77.	दावथ
16.	शेखपुरा	78.	कोरमा
		79.	बरबीघा
17.	अरवल	80.	कुरथा
		81.	कलेर
		82.	किंजर
18.	जहानाबाद	83.	मखदुमपुर
		84.	हुलासगंज

क्र.सं.	जिला का नाम	क्र.सं.	थाना का नाम
18.	जहानाबाद	85.	काको
19.	भोजपुर (आरा)	86.	बड़ हरा
		87.	अगिआँव
		88.	चरपोखरी
		89.	अगिआँव
		90.	गड़ हनी
		91.	तरारी
		92.	संदेश
20.	नवादा	93.	वारसलिगंज
		94.	हिसुआ
		95.	सिरदल्ला
		96.	गोबिन्दपुर
21.	मुंगेर	97.	बरियारपुर
		98.	जमालपुर
		99.	संग्रामपुर
22.	बांका	100.	धोरैया
		101.	कटोरियॉ
		102.	बौसी
23.	सीवान	103.	बसंतपुर
		104.	भैरवा
		105.	पचरूखी
24.	गोपालगंज	106.	बैकुंठपुर
		107.	महम्मदपुर
		108.	भोरे
25.	छपरा	109.	रसूलपुर
		110.	पानापुर
		111.	दीघवारा
		112.	मसरख
26.	सीतामढ़ी	113.	सोनवर्षा
		114.	बथनाहा
		115.	रून्नी सैदपुर

क्र.सं.	जिला का नाम	क्र.सं.	थाना का नाम
27.	कटिहार	116.	अमदाबाद
		117.	कुरसैला
		118.	बलरामपुर
		119.	कदवॉ
28.	अररियॉ	120.	जोकीहाट
		121.	रानीगंज
		122.	जोगबनी
		123.	नरपटगंज
29.	पश्चिम चंपारण क)बगहा पुलिस जिला	124.	धनहा (मधुबनी प्रखंड)
		125.	ठकराहा
		126.	भीतहा
		127.	पिपरासी
	ख)बेतिया जिला	128.	लौरिया
		129.	बाल्मीकी नगर
30.	बेगूसराय	130.	शाम्भो
		131.	मटिहानी
		132.	गढ़ पुरा
		133.	बछवाड़ा
31.	बक्सर	134.	धनसोई
		135.	ब्रह्मपुर
		136.	नावानगर
		137.	सिमरी
32.	जमुई	138.	सिकन्दरा
		139.	झाझा
33.	समस्तीपुर	140.	उजियारपुर
		141.	मोहद्दीनगर
		142.	ताजपुर
		143.	मुसरीघरारी
34.	सहरसा	144.	जलई
		145.	महिषी
		146.	सौर बाजार

क्र.सं.	जिला का नाम	क्र.सं.	थाना का नाम
35.	खगड़िया	147.	बेलदौर
		148.	खगड़िया नगर थाना
36.	शिवहर	149.	श्यामपुर भट्ठी
37.	किशनगंज	150.	ठाकुरगंज
		151.	कोचाधामन
		152.	टेढ़ागाछ
		153.	दीघल बैंक
38.	मधेपुरा	154.	मुरलीगंज
		155.	बिहारीगंज

वर्त्तमान वर्ष 2015-16 में 268 थानों में वाटर मिस्ट टेक्नोलॉजी प्रतिनियुक्त किये जाने के लिए चेसिसों का क्रय किया जा चुका है । इनके फैब्रिकेशन के लिए द्रुत गति से कार्रवाई चल रही है । इसी वित्तीय वर्ष में 268 थानों में छोटी मिस्ट टेक्नोलॉजी वाहन उपलब्ध करा दिया जाएगा ।

बिहार अग्निशमन सेवा के फायर इंजिनों में सीमित मात्रा में पानी उपलब्ध रहता है। किसी बड़ी अग्निकाण्ड पर गाड़ी की पानी पर्याप्त नहीं होने पर फायर इंजिनों को दूर से पानी लाना पड़ता था । इस कठिनाई को ध्यान में रखते हुए बिहार अग्निशमन सेवा द्वारा पूरे राज्य में निजी/सरकारी जल श्रोतो का सर्वेक्षण किया गया है । अब तक पटना शहर में निजी एवं सरकारी जल श्रोतो के 110 स्थानों को चिन्हित किया गया है, जिससे फायर इंजिनों को पानी प्राप्त करने में आसानी होगी ।

पूरे राज्य में अग्निशमन के लिए पानी की समस्या के निदान हेतु पटना के साथ-साथ बिहार के सभी जिला मुख्यालयों में Pillar Post Hydrant system लगाने हेतु सरकार की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है तथा संबंधित

पदाधिकारियों को योजना के क्रियान्वयन हेतु सरकार स्तर से निदेश दिया जा चुका है ।

बिहार अग्निशमन सेवा को अत्याधिक कारगर बनाने के क्रम में बिहार राज्य में स्थित सभी फायर स्टेशनों को संचार व्यवस्था से जोड़ने के क्रम में एक योजना तैयार की गई है । इस योजना के तहत् बिहार अग्निशमन सेवा अपने वायरलेस नेट वर्किंग पर कार्य करने लगेगा । इसी क्रम में सर्वप्रथम पटना (**लोदीपुर**) फायर स्टेशन में एक कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है तथा पटना शहर में अवस्थित छः फायर स्टेशनों को वायरलेस नेट वर्किंग से जोड़ दिया गया है । पटना के फायर इंजिनों में वायरलेस की सुविधा उपलब्ध करा दिया गया है । बिहार अग्निशमन सेवा के सभी गाड़ियों में जी०पी०एस० सिस्टम युक्त मोबाईल फोन लगाने का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है । यथाशीघ्र सभी फायर इंजिनों में जी०पी०एस० सिस्टम लगा दिया जायेगा ।

बिहार अग्निशमन सेवा अग्निशमन करने के साथ-साथ आपातकालीन् स्थिति जैसे भूकम्प, रेल दूर्घटना आदि आपदाओं में सक्रिय भाग लेते हुए बचाव कार्य करता है । इसी को ध्यान में रखकर बिहार अग्निशमन सेवा द्वारा N.D.R.F एवं S.D.R.F के तर्ज पर दो बटालियन तैयार करने हेतु प्रस्ताव सरकार को भेजी जा चुकी है । इस बटालियन के लिए उपकरणों के खरीद हेतु एक प्रस्ताव आपदा प्रबंधन विभाग को भेजा गया है । शीघ्र ही दो बटालियन तैयार कर दिये जायेंगे ।

बिहार अग्निशाम सेवा काफी दिनों से बलों की समस्या से जुझ रहा था । इस समस्या को दूर करने के लिए केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्त्ती), पटना द्वारा अग्निक के पद पर चयनित अभ्यर्थियों में से 826 को योगदान करा लिया गया है । योगदान कराये गये अभ्यर्थियों को कार्य कुशल एवं विभिन्न

आपदाओं में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित किया जा रहा है । मिक्ट टेक्नोलॉजी वाहनों के लिए सरकार द्वारा 969 चालकों का पद सृजित किया गया है, जिसपर बहाली की प्रक्रिया चल रही है । 48 फायर स्टेशन ऑफिसरों की बहाली की प्रक्रिया बिहार राज्य अधर सेवा चयन पर्षद, बिहार, पटना द्वारा किया जा रहा है ।

विगत वर्षो में दशहरा त्योहार पर पण्डालों में अग्नि दुर्घटना होता रहा है, इसे ध्यान में रख कर चालू वर्ष-2015 में पूरे पटना शहर में 6 अग्निशामालयों के अतिरिक्त 14 स्थानों पर अग्निशमन दस्ते तैनात किये गये थे । साथ ही दूर्गा पूजा आयोजको एवं पण्डाल निर्माताओं के साथ 14 बैठक कर उन्हें पण्डालों में अग्नि से सुरक्षा के उपाय बतलाये गये थे । फलत: इस वर्ष दशहरा पण्डालों में एक भी अग्नि की दुर्घटना पटना शहर में नहीं हुआ । साथ ही पटना के लगभग 50 पण्डालों पर 150 की संख्या में अग्निशमन कर्मियों को तैनात किया गया था । ये कर्मी जन साधारण को अग्नि निरोध के संबंध में जानकारियों के साथ पोस्टर, पम्पलेट आदि का वितरण किये ।